

# अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा परिक्षेत्र में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों की व्यवसायिक संतुष्टि और नेतृत्व क्षमता का सर्वेक्षणत्मक अध्ययन

अरुण कुमार सिंह

अतिथि क्रीडाधिकारी

शासकीय महाविद्यालय, गोविन्दगढ़, रीवा (म प्र)

## सारांश :-

व्यक्ति के जीवन में संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है। यदि व्यक्ति अपने काम या पेशे से संतुष्ट है तो वह अपने शिक्षण कार्य को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम हो सकता है और परिणाम स्वरूप व्यक्ति जीवन में अधिक से अधिक ऊंचाईयाँ हासिल कर सकता है। उसी तरह हर पेशे में संतुष्टि जरूरी है। अध्ययन का उद्देश्य अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा परिक्षेत्र में आने वाले सभी महाविद्यालयों के क्रीडाधिकारियों की शिक्षण के प्रति नौकरी की संतुष्टि और नेतृत्व क्षमता का पता लगाना है। यह अध्ययन विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत 100 क्रीडाधिकारियों पर आयोजित किया गया। शोधकर्ता ने क्रीडाधिकारियों के लिए डॉ0 विकास कुंडु (जेएसएस-केवी) द्वारा विकसित नौकरी संतुष्टि स्केल और डॉ0 सुषमा तलेसरा, डॉ0 अख्तर बानों (टीएलएसटी-टीएसबीए) द्वारा विकसित नेतृत्व क्षमता स्केल के माध्यम से डेटा एकत्र किया। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा परिक्षेत्र के महाविद्यालयों में कार्यरत 100 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों से डेटा एकत्र किया गया। डेटा का परीक्षण (Z) और प्रतिशत विधि लागू करके किया जाता है। रॉ स्कोर को (Z) स्कोर में बदल दिया गया। महाविद्यालय में स्थाई रूप से कार्यरत क्रीडाधिकारियों का अपनी नौकरी से संतुष्टि के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया। जबकि नेतृत्व क्षमता में अतिथि के रूप में कार्यरत शारीरिक शिक्षा शिक्षक आगे थे। इसीलिए स्थाई रूप से नौकरी करने वाले शारीरिक शिक्षक अपनी नौकरी से संतुष्ट थे।

**की वर्ड :** नौकरी से संतुष्टि, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक शिक्षा, दृष्टिकोण, शिक्षण, अध्यापक